की जो जांच हो, वह निष्पक्ष हो सके और किसी प्रकार से प्रभावित न हो । मैं यह भी मांग करूंगा कि उत्तर प्रदेश की सरकार को भी निर्देशित किया जाना चाहिए । धन्यवाद ।

श्रीमती सत्या बहिन (उत्तर प्रदेश) : मेडम, मैं अपने आपको इस स्पेशल मेंसन से संबद्ध करती हूं ।

उपसभापति : अभी बात हुई है कि एसोसियेशन नहीं करने का है । श्री शान्ति त्यागी ।

Incidents of Bomb Blasts in D.T.C. Buses

श्री शांति त्यागी (उत्तर प्रदेश) : माननीय **उपसभापति** जी, मेरा यह स्पेशल मेंशन राजधानी में हो रहे बम-विस्फोटों और अग्निकांडों के बारे में है । सत्ता-पक्ष के माननीय सदस्य यदि बुरा न माने तो मैं यह कहूं कि न जाने कैसी अशुभ घडी में मौजूदा सरकार ने सत्ता संभाली कि राजधानी में बम-विस्फोटों और अग्नि कांडों का तांता लग गया है । विज्ञान भवन जला, हजारो झोंपडियां जलीं, सदर बाजार में सैंकड़ों दुकानें भस्म हो गई और कल शास्त्री-भवन में आग की लपटें दिखाई पडीं । इसी के साथ बसों में बम फ़ट रहे हैं और कई अन्य स्थानों पर भी बम फटे हैं । जानमाल का भारी नुक्सान हुआ है, 11 व्यक्ति बम-कांडों में और 13 व्यक्ति आग में मर चुके हैं, करोडों की संपत्ति जल चुकी है ।

मैडम, राजधानी में पंजाब और कश्मीर का जिक्र कम है, दिल्ली में जो हो रहा है, उसका ज्यादा है और यह स्वाभाविक है । लाखों लोग आतंकवाद और इनसिक्योरिटी के माहौल में काम कर रहे हैं । लोग कह रहे हैं कि शासन करना सब नहीं जानते । पुलिस और इण्टेलिजेंस का पूरा ताम-झाम बेकार साबित हुआ है ।

उपसभापति : आप राजधानी में हो रहे बम-ब्लास्ट पर बोल रहे हैं न ?

श्री शांति त्यागी : जी, बम-ब्लास्ट पर ही बोल रहा हूं । मैडम, इनके किसी घटना का सुराख नहीं मिला है, कोई अपराधी नहीं पकड़ा गया है । प्रशासन यह कहकर बात समाप्त कर देता है कि मामले की गहन जांच की जा रही है।

मैडम, मैं आपके माध्यम से सरकार को चौकस करना चाहता हूं कि दिल्ली के हालात बिगड रहे हैं । ये घटनायें आकस्मिक नहीं हैं । इसके पीछे कोई हाथ है । अभी वक्त है कि सरकार उस हाथ को थाम ले, पकड ले, जो बम फेंक रहा है, जो आग लगा रहा है । मैं यह भी चाहूंगा कि सरकार दिल्ली की तमाम घटनाओं पर , बम-कांडों की और अग्निकांडों की , सदन में एक विस्तृत ब्यान दे ।

मैडम, अंत में मैं मांग करूंगा कि पुलिस और इण्टैलीजेंस के नेटवर्क को उत्तरदायी बनाया जाय । मैं यह भी निवेदन करूंगा कि मृतकों के परिवारों को और अन्य क्षतिग्रस्त परिवारों को सरकार भरपूर आर्थिक इमदाद दे । इसी के साथ ही आपने जो मुझे यह स्पेशल-मेंशन रखने का मौका दिया, उसके लिए मैं आपका आभारी हुं । धन्यवाद ।

THE DEPUTY CHAIMANR: Miss Saroj Khaparde—Not here.

Forcible Stripping of a Woman in Kanpur, U.P.

श्रीमती कलाशपति (उत्तर प्रदेश) : उपसभापति महोदया, अभी कानपुर में जो घटना घटी है उसकी ओर मैं सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहती हूं । एक महिला अपने दो नाबालिक बच्चों के साथ, छोटे छोटे बच्चों के साथ रह रही थी ।, चार बदमाश पिस्तोल हाथ में लेकर उसको घुमाते हुए, उसके घर में घुस गए और घुसने के बाद पिस्तोल की नोक पर उसको निर्वस्त्र करवाया । उसको निर्वस्त्र करके बहार घसीटते हुए बगल के क्वार्टर में ले गए और वहां की जनता मूक खडी तमाशा देखती रही और कुछ भी मदद नहीं की । वह कवार्टर कृष्णा कुमार मिश्रा का था और मिश्रा जी के यहां दो कांस्टेबल पहले से मौजूद थे । उन लोगों ने उस महिला के शरीर के साथ खिलवाड किया और खिलवाड करने के बाद उसकी आंखों में मिर्च डाल कर के उसको घसीटकर बाहर डाल दिया और वहां की जनता खड़ी देखती रही । वह

एक घंटे तक वहां पडी रही और किसी उसका बचाव नहीं किया । उसके बाद एक औरत हिम्मत बांधकर वहां पर पहुंची और उसके अपनी साड़ी फाड़कर उसने शरीर पर डाली । इस तरह से वहां की पुलिस भी मिली हुई थी और उसके उस महिला की कोई मदद नहीं की ।

बब्बन नाम का एक बदमाश जो उनसे मिला हुआ था, उसको जनता ने पकड़कर पुलिस के हवाले किया लेकिन पुलिस ने उसे बाद में छोड़ दिया और आज चार दिन हो गए हैं लेकिन दुकानें बंद है वहां के लोगों में भय का वातावरण व्याप्त है और वहां की पुलिस भी कुछ नहीं कर रही है । वहां पर पुलिस के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने की आवश्यकता है । मैं मांग करती हूं कि इस घटना की न्यायिक जांच कराकर उन दोषी व्यक्तियों के खिलाफ कार्यवाही की जाए जिससे वहां के लोगो में जो भय बना हुआ है वह खत्म हो और जो लोग दुकानें बंद किए हुए हैं, वह अपनी दुकानें खोलकर अपना रोजगार कर सकें । धन्यवाद ।

श्रीमती सत्या बहिन (उत्तर प्रदेश) : मैडम, यह महिलाओ का मसला है इसलिए मैं अपने आपको इससे सम्बद्ध करती हूं और कहना चाहती हूं कि महिलाओं पर जो घनघोर अत्याचार हो रहे हैं, उनको नंगा करके और उन पर मिर्च डालकर जो ये घटनायें हो रही हैं वह बहुत ही जघन्य हैं

महोदया, सबसे दुख और शर्म की बात पुलिस के संरक्षण में हो रहा है और और सरकार कुछ नहीं कर रही है । मान्यवर, यह डूब मरने वाली बात है । ऐसी परिस्थिति में महिलाओं का मान और सम्मान कैसे सुरक्षित रहेगा ? मैडम, इस पर चर्चा होनी चाहिए नहीं तो महिलायें कहां भी सुरक्षित नहीं रहेंगी

श्रीमती वीणा वर्मा (मध्य प्रदेश) : माननीय उपसभापति महोदया, मैं कहना चाहती हूं कि जिस तरह से पिछले कुछ महीनों में, पांच-छह महीनों में महिलाओं पर अत्याचार या चीरहरण की घटनायें हो रही हैं वह हमें महाभारत की याद दिलाता है । महाभारत में तो एक द्रोपदी का ही चीरहरण हुआ था लेकिन पिछले कुछ महिनों से इस प्रकार की घटनायें बहुत बढ़ गयी हैं । औरतों को नंगा किया जा रहा है । इस तरह के जो घोर अत्याचार, घृणित कार्य किए जा रहे हैं, उसके प्रति सरकार अपनी कोई जिम्मेदारी महसूस नहीं कर रही है कि उनको कैसे रोका जाए ।

महोदया, हम सदन में चिंता व्यक्त करते हैं लेकिन इस पर कोई एक्शन नहीं लिया जाता और पुलिस भी इन अत्याचारों में सहयोग देती है । पुलिस खड़ी देखती रहती है अभी सरकार द्वारा आश्वासन भी दिया गया कि महिलाओं पर अत्याचार रोके जायेंगे लेकिन क्या किया जाएगा ? पुलिस को जो रक्षक का काम करना चाहिए था, वह भक्षक का काम कर रही है । किस तरह से एक्शन लिया जाएगा तो मैं सरकार से मांग करुंगी कि पिछले महीनों में जो खास तौर से सलप्पा गांव में हरिजन महिलाओं पर अत्याचार हुए, अभी जो रिंकू नाम की छात्रा को परीक्षा भवन में जिंदा जला दिया गया और पुलिस और सारा समाज देखता रहा, इस तरह की बहुत सी घटनायें हैं । इन के बारे में खास तौर से एक कमेटी बनाकर जांच की जाए कि पुलिस कहां कहां नाकामयाब साबित हुई है और मैं यह भी मांग करुंगी कि इन कानूनों में संशोधन किया जाए ताकि महिलाओं पर जो इस तरह के अत्याचार किए जा रहे हैं, उनके दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जा सके और मैं तो यह चाहूंगी कि महिलाओं के खिलाफ अत्याचार करने वालों को फांसी की सजा दी जाए। धन्यवाद ।

SHRIMATI MARGARET ALVA (Karnataa): Madam, I wish to associate myself with the concern, but I would just like to add that we had been repeatedly demanding that more women be recruited into the police force so that there would be a sense of security when police stations and others are involved. I would request the Government since the Home Mi-

[Shrimati Margaret Alva]

nister is here to at least make a statement sometime on the measures they are taking to improve the security environment for women. On the other hand, instead of taking in more women, we find these days that even the women police officers who are in Government and who are serving very dutifully are put under cloud and are being harassed. In this sense, how can we ensure protection for women whey they cannot look after even their own women police officers?

श्रीमती सत्या बहिन मैडम, इस शासन में बहुत सी... (**व्यवधान**)

उपसभापति बस आपने कह दिया ....आप बैठ जाइए...

Do not make political issue of women's problems. Do not interrupt. It is a serious matter concerning women. I am allowing everybody to speak on it. The Minister is here.

श्रीमती सरला माहेश्वरी (पश्चिमी बंगाल) माननीय उपसभापति महोदया, मैं आपके प्रति आभार प्रदर्शित करती हूं कि आपने मुझे इस सदन में पहली मर्तबा बोलने की इजाजत दी। कानपुर की घटना निस्संदेह हमारे समाज पर एक बदनुमा दाग है और मैं समझती हूं कि इस घटना ने हमारे समाज के और हमारे जनतंत्र के असली चेहरे पर से नकाब उतारकर रख दिया है। हमें सोचना है कि कानपुर की तरह की घटनाएं लगातार क्यों एक के बाद एक घटती जाती हैं?

भारतीय संस्कृति जिसने हमें ये मूल्य दिए हैं और ये मूल्य जिनके बारे में हम जानते हैं कि--यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता।

जहां नारियों की पूजा होती है वहां देवता निवास करते हैं लेकिन अफसोस कि हमने जिस समाज की रचना की, इतिहास में तो सिर्फ एक ही दुर्योधन और दुश्शासन हुए और इतिहास ने उन्हें कभी माफ नहीं किया लेकिन हमने जिस समाज की रचना की, उसमें लगता है कि आज हमारे समाज में दुर्योधनों और दुश्शासनों का वर्चस्व हो गया है। इसलिए मैं सरकार से यह अपील करना चाहती हूं कि ऐसा समाज, पंडित नेहरू ने कहा था कि हम एक ऐसा समाज चाहते हैं जिस समाज में स्त्रियों और पुरुष उन पौधों की तरह और उन फूलों की तरह हैं जो गुलामी के अंधकार में नहीं पनप सकते। उन्हें स्वतंत्रता की खिली हुई धूप चाहिए लेकिन अफसोस कि आजादी के 40 वर्षों बाद भी स्वतंत्रता की खिली हुई धूप महिलाओं को कोई मुस्कुराहट नहीं दे सकी, महिलाओं की जिंदगी में कोई नया परिवर्तन नहीं ला सकी। इसलिए आए दिन पड़ियारी जैसे कांड, घटियारी जैसे कांड, कोतहुआ कांड, भागलपुर का बदनाम और रूप जैसे कांड आते रहते हैं। तो अगर हम इन तमाम कांडों की तफसील में जाएं और आपने भी देखा होगा कि पुलिस और प्रशासन का इन घटनाओं में सक्रिय सहयोग रहता है। इसलिए मैं सरकार से तथा सभी महोदय से अपील करना चाहूंगी कि ऐसी घटनाएं बार-बार न दोहराई जाएं। यह हमारे भारतीय समाज के लिए एक बहुत शर्म की बात है और यह राष्ट्र के लिए भी शर्म की बात है।

* * *

अगर कोई समाज स्त्रियों को मान और सम्मान नहीं दे सकता तो वह समाज कभी आगे नहीं जा सकता। ऐसी हालत में जनतंत्र को जनतंत्र नहीं कहा जा सकता। इसलिए अगर हम अपने जनतंत्र को वास्तविक रूप देना चाहते हैं, अगर हम चाहते हैं कि हमारा जनतंत्र वास्तव में अपना सही रूप अख्तियार कर सके तो आज इस सदन में हमें इस बारे में संकल्प लेना होगा। सिर्फ प्रशासनिक कार्यवाही से ही सब कुछ नहीं होगा। हालांकि सरकार आदेश दे सकती है लेकिन सरकार के आदेश मूल्यों का निर्माण नहीं करते। मूल्यों का निर्माण करने के लिए आज हमें फिर जरूरत है राजा राममोहन राय, ईश्वरचन्द्र विद्यासागर

जैसे मनीषियों को, जिन्होंने नवजागरण, जनजागरण का आंदोलन शुरू किया था। आज फिर एक जागरण हम शुरू करें, एक समाज सुधार का आंदोलन शुरू करें ताकि महिलाओं को सम्मान के साथ और इज्जत के साथ इस समाज में रहने का अवसर मिल सके। धन्यवाद।

श्रीमती कमला सिन्हा (बिहार) : माननीय उपसभापति महोदया, जिस बहन ने इस स्पैशल मैंशन को उठाया, उन्हें मैं धन्यवाद देती हूं। यह कहना तो अनुचित होगा कि पिछले छह महीनों में महिलाओं पर अत्याचार बढ़े हैं। महिलाओं पर अत्याचार तो जब से मनुष्य जाति बनी है, तभी से ही होते आ रहे हैं और होते रहेंगे अगर महिलाएं अपने को शक्तिशाली नहीं बनाएंगी, अपने को बचाने के लिए उपाय नहीं करेंगी। अगर वे स्वयं अपने बचाव के लिए कुछ नहीं करेंगी तो कोई कानून तो क्या, कोई संतों का वक्तव्य उन्हें नहीं बचा सकता है।

महोदया, यह चिंता का विषय है कि आजादी के 40 सालों के बाद भी दिनों-दिन स्वतंत्र भारत में महिलाओं पर अत्याचार हो रहे हैं। तो यह जो महिलाओं के प्रति मनोभावना बनी है, उसका कारण क्या है? मुझे तो ऐसा लगता है कि ये अत्याचार ऐसे ही नहीं हो रहे हैं। आप अगर ध्यान से देखें तो सिनेमा में जो अश्लील प्रदर्शन किए जाते हैं। उत्तेजक चित्र दिखाये जाते हैं, तरह-तरह के पर्चे छापे जाते हैं। यह सब बातें अगर बंद नहीं होंगी तो हमारे जो नौजवान हैं, नये लोग हैं उनके मन में भी जो ये धारणायें बनती हैं उसको आप बंद नहीं कर सकते। यह सब एक के साथ ही जुड़े हुये हैं, लेकिन मैं फिर भी इस बात से सहमत हूं कि सरकार को एक समिति बनाकर इन सभी कारणों की जांच करनी चाहिये और जांच उपरान्त यहीं कदम उठाना चाहिये ताकि महिलाओं के ऊपर अत्याचार कम हों।

उपसभापति : यह जो सवाल है यहां पर सभी महिलाओं ने और हमारे कैलाशपति जी ने...

श्री विठ्ठलराव माधवराव जाधव (महाराष्ट्र) : मैं भी इसका समर्थन करता हूं.... **(व्यवधान)**

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please. Why don't you keep quiet? Why do you interrupt when some serious matter is going on? I don't understand it.

SHRI VITHALRAO MADHAVRAO JADHAV: I am not interrupting.

THE DEPUTY CHAIRMAN: All right you ask for my permission. You don't interrupt me. Sit down.

SHRI VITHALRAO MADHAVRAO JADHAV: I am not interrupting.

THE DEPUTY CHAIRMAN: What are you doing now? You sit down. I will not allow you to speak. Sit down.

SHRI VITHALRAO MADHAVRAO JADHAV: Madam, I am not intedrupting.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I say, sit down... *(Interruptions)*...

What is this when I am on my legs, please take your seat.

SHRI VITHALRAO MADHAVRAO JADHAV: When I am supporting...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Salve, what is this?... *(Interruptions)*...

SHRI VITHALRAO MADHAVRAO JADHAV: I am saying that gentlemen are also asking for it. Why are you always... *(Interruptions)*...

THE DEPUTY CHAIRMAN: You don't understand.

SHRI VITHALRAO MADHAVRAO JADHAV: I could be understood.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I think there is something basically wrong with you today. Please sit down.

SHRI VITHALRAO MADHAVRAO JADHAV: I am standing on my feet *to support...*

THE DEPUTY CHAIRMAN: You cannot stand on your feet when I am on my feet. आप बैठ जाइये । देखिये, यह महिलाओं का..... आप बैठ जाइये । मेरी बात को सपोर्ट कर रहे हैं । But you should not interrupt the Chair.

SHRI VITHALRAO MADHAVRAO JADHAV: I am not interrupting.

THE DEPUTY CHAIRMAN: What are you doing now?

SHRI VITHALRAO MADHAVRAO JADHAV: I stood up and supported.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Did you take my permission? Please sit down.

SHRI VITHALRAO MADHAVRAO JADHAV: I am not interrupting.

SHRI KAMAL MORARKA (Rajasthan): Madam, one sentence has to go off the record. He was heard saying, "What do you think of yourself?"

THE DEPUTY CHAIRMAN: I think that is the way Members have started behaving with the Chair. अच्छा आप बैठ जाइए । मैं रिकार्ड देख लूंगी; आप बैठ जाइए ।

श्री विठठलराव माधवराव जाधव : मैं सपोर्ट कर रहा हूं ।

You have misunderstood me. I am supporting the cause of women... (*Interruptions*)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: I don't know. I think, when we were talking in the morning, he was not present. He thinks he is not a party to the discipline. That must be the reason. If you have your sympathies for women, I appreciate it, I am happy. I am only saying that you should not interrupt the Chair. You understand it. If you wanted to express your feelings, there is a way, there is a method and you could say, "Madam, I also want to speak." I allowed all the other people who wantd to speak. But this is not the way Mr. Jadhav. You should understand that there is a way... (*Interruptions*)...Even now you are trying to explain. I followed it, it is all right. Keep cool: I am not angry with you. But you should never interrupt the Chair. Whether I am in the Chair or anybody else is in the Chair, you should try to keep a certain discipline. Please take your seat.

SHRI VITHALRAO MADHAVRAO JADHAV: I am always disciplined, Madam... (*Interruptions*)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: You really make me laughy. Because when I started feeling cynical जो लोग अपने कानूनों का उल्लंघन भी करते हैं और फिर इसी बात पर इंसिस्ट करते हैं कि हम उल्लंघन नहीं कर रहे हैं तो मुझे उस पर गुस्सा नहीं आता, मुझे सिर्फ दया आती है और हंसी आती है और कुछ नहीं आता । **(व्यवधान)** अभी बैठ जाइये, महिला का मामला है। देखिये कभी भी कोई बात महिला पर हो, सारी जितनी भी महिलायें थीं पूरे हाउस की तरफ से यहां हमारे होम के राज्य मंत्री जी भी बैठे हुये हैं, मैं उनसे कहूंगी कि हमारी महिलाओं पर जो पैदायशी अत्याचार हो रहे हैं कभी तो बंद होने चाहिये और खाली आप बस वक्तव्य यहां ला देंगे, आप स्टेटमेंट दे देंगे । आप अगर कोई डिमांड करते हैं तो आप स्टेटमेंट दीजिये उस पर भाषण होगा मुझे कोई ऐतराज नहीं है। मगर हम सब लोगों का, सदन का, सबका

यह कहना है कि यह अत्याचार बंद होने चाहिये। अगर आपके वक्तव्य से बंद हो सकते हैं तो, you are welcome to speak. हमारी अगर किसी बहस से बंद हो सकते हैं तो, You are still welcome to do it. But, somehow or other, you must strengthen your police and your *shasan* to stop these everywhere in the country and, wherever it is there, we should condemn it. Thank you.

1.00 P.M.

Deaths due to consumption of poisoned food in U.P. and Gujarat

SHRI SHIV PRATAP MISHRA (Uttar Pradesh): Madam Deputy Chairman, I want to draw the attention of this Government through you regarding the plight of persons who lost their lives because of pesticide-contaminated food at Basti in Uttar Pradesh and in Gujarat.

Madam, there is extensive use of pesticides by farmers at harvest time and also by officials in charge of foodgrain storage. Farmers are not properly advised on the harmful effects of pesticides in foodgrains. This is evident from the death of nearly 150 people in Raipurwa village of district Basti in U.P. on 15.4.1990 due to pesticide-contaminated food which they they ate at a marriage feast. Again, nearly 400 people developed symptoms of food poisoning at Ranepur village in Nakhatrane taluka of Kutch district on 17th April 1990. Although there is a probe to find out whether laws and regulations about the use of pesticides by farmers and also by officials for foodgrain storage are being followed, it is also necessary to find out whether dangerous pesticides banned in other countries are being used in India or not.

I would request you that you should instruct this Government to take necessary steps to prevent the use of banned pesticides for the preservation of food in the country to save the lives of innocent people.

Thank you very much.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Today we will adjourn the House at one o'clock. So, whatever Special Mentions are left will be taken up after the Private Members' business and the Statement by the Home Minister are over.

SHRIMATI MARGARET ALVA (Karnataka): After Private Members' business?

...(*Interruptions*)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: The statement will be at 5 o'clock. From 2.30 to 5.00 p.m. we will have Private Members' business. After Private Members' business the statement will be there, which everybody demanded. Then the left-over Special Mentions will be taken up.

SHRIMATI MARGARET ALVA: But why adjourn now? ...(*Intertions*)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: We adjourn at one o'clock every Friday. So, I adjourn the House till 2.30 p.m.

The House then adjourned for lunch at two minutes past one of the clock.

The House reassembled after lunch at thirtyfive minutes past two of the clock. The Deputy Chairman in the Chair.

CONSTITUTION (AMENDMENT) BILL, 1990 (insertion of new article 29A)

SHRIMATI BIJOYA CHAKRAVARTY (Assam): Madam, I move for leave to introduce a Bill further to amend the Constitution of India.

The question was put and the motion was adopted.

SHRIMATI BIJOYA CHAKRAVARTY: I introduce the Bill.